बाट लेल हटला भगवान

मिथिला देखेलक देश के बाट, चारि लेनक सड़क क लेल मंदिर आओर मजार तक हटा देलेथि मैथिल समाज

मिथिलाक लोक–वेद बिहारक सीमा मे बनी रहल 513 किमी लंबा चारि लेनक सड़कक बीच मे आबि रहल मंदिर आ मजार क स्थान तक बदलि देलथि अछि. 53 टा मंदिर आ 17 टा मजार के हटेवा लेल मैथिल लोक–वेद न केवल तैयार भ गेलथि, बल्कि सरकार आओर निर्माण एजेंसीक संग मिल के ओकरा दोसर स्थान पर पदस्थापित करबा मे सेहो भागीदार बनलथि. एकरे परिणाम अछि जे कोनो विवादक बिना एहि सड़क निर्माण तेजी स भ रहल अछि.

मिथिलेश

पटना : आइ तक धार्मिक आस्थाक नाम पर लोक के भड़काउल जा रहल छल, लेकिन अइ परिपाटीक विपरीत मिथिलाक लोक–वेद एकटा सकारात्मक संकेत देखथि अछि. मिथिला मे विकासक नाम पर न केवल हिंदू आओर मुसलमान एक मत भेलथि, बल्कि ओ अपन धार्मिक आस्थाक सवाल के सेहो पीछु छोडि देलथि. बिहारक सीमा मे बनी रहल 513 किमी लंबा चारि लेनक सड़कक बीच मे आबि रहल मंदिर आ मजार के स्थान तक बदलि देलथि अछि. 53 टा मंदिर आ 17 टा मजार के हटेवा लेल मैथिल लोक–वेद न केवल तैयार भ गेलथि, बल्कि सरकार आओर निर्माण एजेंसी संग मिल के ओकरा दोसर स्थान पर पदस्थापित करबा मे सेहो भागीदार बनलथि. एकरे परिणाम अछि जे कोनो विवादक बिना एहि सडक निर्माण तेजी स भ रहल अछि. जानकारीक अनुसर केवल मुजफ्फरपुर स दरभंगाक बीच 12 टा मंदिर हटाउल गेल अछि.एक ठाम स मजार सेहो हटा देल गेल.

खास गप इ जे एहि तरहक काज ओहन इलाका मे भ रहल अछि, जतय आइ स 70 साल पूर्व तत्कालीन दरभंगा महाराज के अपन किलाक चहारदीवारी एकटा मजारक कारण तिरछा करय पड़ल छल. ओ मजार एखनो दरभंगा मे अछि. तहिया स आइ तक मजार के हाथ लगेवाक कियो साहस नहि केलक. एतय तक कि दरभंगा टावर इलाका मे बीच सड़क पर मजार अछि, मुदा चार लेनक सड़कक निर्माणक प्रति मिथिलाक लोक अपना इतिहास बदलि देलथि. लोक सब के उम्मीद छैन जे प्रस्तावति सड़क मिथिलाक जीवन रेखा बनत. एहि सडक स मिथिलाक विकास होयत आओर गरीबी देर होयत. एहि कारण नव पीढ़ी एकर बाट मे कोनो धार्मिक भावना के आड़े नहि आबय देलक. मुजफ्फरपुरक जिलाधिकारी एहि संबंध मे कहैत छथि जे हुनक जिला मे कुल 13टा धामिक स्थान के स्थानांतरित केल जा रहल अछि. एहि मे स किछु एहनो स्थान अछि, जेकर एतिहासिक महत्व अछि आओर जेकरा जातृत मानल जाइत अछि. किदु एहनो स्थन अछि, जेकर निर्माण कालक संबंध मे केकरो पता नहि अछि आओर सदियों स पूजा होइत आबि रहल अछि. किदु एहनो धार्मिक स्थान अछि, जतय मेला लगैत रहल अछि. एकर बावजूद एतुका लोक एहि धार्मिक स्थान के हटेबा लेल तैयार भ गेलथि. इ पूरा देश लेल उदाहरण अछि. जिलाधिकारी स्वीकार करैत छथि जे एहि माटी पर जनमल लोक मे किदु महान गुण रहल अछि, जे एकरा आन स भिन्न बना दैत अछि.

मैथिल आइ चारि लेनक सड़कक प्रारूप देखि हैरान अछि. पगडंडी के सडक कहबाक अपन ज्ञान पर ओ लाजाइत्त अछि. हुनका आब बुझबा मे आयल अछि जे सडक की होइत अछि. मैथिल आइ एहि सडक लेल अपन हाथ स अपन घर तोडवा मे लागल छथि. मुजफ्फरपुरक भू–अर्जन पदाधिकारी कहैत छथि जे जिलाक कांटा पिरोंझा, जारंग, डुबौली, मैठी, बिरूआही, चक अब्दुल रहमान, वाजितपुर मझौली, करनपुर, भगवानपुर आओर गरहाक काली मंदिर के स्थानांतरित केल जा रहल अछि. एहि काज मे स्थानीय लोक–वेद अप्रत्यासित रूप स मदद करि रहल छथि. एकरा अलावा मिरजापुर लग स्थापित एकटा मजार के सेहो बलग मे चयनित जमीन पर स्थापित केल जा रहल अछि.

राज्यक पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव कहैत अछि जे इ एकटा एहन तथ्य अछि, जाहि पर एकबेर मे विश्वास नहि होइत अछि, मुदा मैथिल भाइ लो. कनि एहन उदाहरण देलथि अछि, जेकरा स पूरा बिहार गर्व क रहल अछि. ओ कहैत छथि जे एकरे नतीजा अछि गोपालगंज स पूर्णिया तक कुल 513 टा धार्मिक स्थल के स्थानांतरणक काज चुपचाप भ गेल. एकरा लेल जिला प्रशासनक भूमिका महत्वपूर्ण रहल जे आम लोकक भावना के बुझी आओर ओक. रा प्राथमिकता दैत काज के संपन्न करोउलक अछि. ओना सरकार स्थानातरित होइवाला सबटा धार्मिक स्थलक वीडियोग्राफी करा रहल अछि. श्री यादव कहैत छथि जे पूरान मंदिर आओर मजारक अनुरूप नव मंदिर आओर मजार बनेबाक प्रयास भ रहल अछि. एहि लेल स्थानीय लोकक एकटा कमेटी बनाउल गेल अछि, जे नव मंदिरक निमार्णक निगरानी करबाक काज करत. नव मंदिर आओर मजारक निर्माण लेल राशि कोनो कमी नहि अछि. एनएचआइ एकर पूरा खर्च उछाउत. सड़क निर्माणक लेल निर्धारित राशि मे एहि काजक लेल अगल स प्रावधान केल गेल अछि.

आम लोक सेहो उत्साहित छथि. दरभंगाक सिंघवार मोड़ पर चाहक दुकान पर बसैसल रामप्रीत यादव कहैत छथि जे बेटा पंजाब स अबैत छल त एहन सड़क गप कहैत छल, मुदा भान नहि छल जे सड़को एहन चौड़ा होइत छैक. सबसे महत्वपूर्ण त निर्माण काज मे लागल एक–एक टा मशीन अछि. मशीन देखबा लेल गाम–गाम स लोक अबैत अछि. सड़कक संग विकासक सपना दिखनिहार रामप्रीत असगर नहि छैथि. उमा देवीक मकान आओर दुकान के सड़कक निर्माण लेल बलि चढ़ा देल गेल. उमा देवी कहैत छैथि जे हुनका कोनो दुख नहि छैन, सरकार हुनका भरपुर मुआवजा देलक अछि. सड़क बनलाक बाद ओ अपना लेल नीक सन घर आओर दुकान बनेबाक विचार केने छैथि. तत्काल ओ सड़क किनार मे एकटा छोट सन फूसक झोपड़ी मे चाहक दुकान चला रहल छथि. उमाक कहब छैन जे सड़क बनलाह स हुनकर चाहक दुकान पहिने स बेसी चलि रहल अछि. पहिने क अपेक्षा बेसी चाह बिका रहल अछि. निर्माण कंपनीक मजदूर आओर पदाधिकारी हुनकरे दुकान स चाह मंगा के पीबी रहल छथि. एहन अनेक लोग छथि, जिनका सड़क निर्माण शुरू भेला मात्र स रोजगारक अवसर भेट गेलनि अछि. हुनकर कहब अछि जे एखन देखैत जाउ, आगू की–की नई होयत अछि. एतबा त अवश्य जे इ सड़क मात्र सड़क नहि थीक, इ मिथिलाक एकटा सपना थीक जे 2011 धरि पूरा होयत.

75 साल बाद दू भाग मे बटल मिथिला के जोड़त इ सड़क

स्मरण मे बसल भपटियाही स्टेशन आ जानकी ट्रेन

समदिया

दरभंगा : लगभग 75 साल पहिने मिथिला मे आयल भूकंप स भपटियाही स्टेशन जमीनक भीतर चल गेल आओर कोसीक धार स मिथिला दू भाग मे बंटी गेल. पश्चिम भाग मे मधुबनी आ दरभंगा रहल आओर पूर्व मे सहरसा, सुपौल आओर किशनगंज सन जिला चलि गेल. समयक संग–संग दूनू दिस एक–दोसराक संबंध मे जानक. री कम होइत गेल. मधुबनी स सहरसाक दूरी जे पहिने तीन घंटा छल से 17 घंटा भ गेल. छोटी लाइन के जानकी एक्सप्रेस बंद भेला पर त सास्कृतिक आ भाषागत रूप स एकरूपता रखबा मे मुश्किल हुए लागल. पहिने जे संबंध छल ओक. रा कायम रखबाक प्रयास त भेल, मुदा नव संबंध बनेबा स लोक बचय लागल. कोसीक पूर्वी भागक लोक अपन बेटा–बेटीक विवाह कोसीक पश्चिम जिला मे करबा स कतरैय लगलाह. दूनू दिसक लोग एक–दोसरा स संबंध बनेबा मे असहज हुए लगलाह. कोसीक नाव पर बेटीक बिदागरी मात्र गीत आओर खिस्सा–कहानी मे सिमटी के रहि गेल. एहन मे मिथिलाक संस्कृति दू भाग मे बंटि गेल. भाषा आओर संस्कृति कमजोर हाइत गेल. आसपासक भाषा आओर संस्कृतिक प्रभाव मिथिला पर होइत गेल. 80क दशक मे राजनीतिक रूप स कोसी आओर मिथिलांचल नामक दूटा जमीन तैयार भ गेल. प्राकृतिक आओर राजनीतिक रूप स मिथिलाक बटबारा होएबाक बावजूद एकटा उम्मीद बरकरार छल जे कोसी पर पुल बनला स एक बेर फेर जरासंध क जेका मिथिलाक दूनू टुकरा अपना मे जुटी जाइत. ओना इ उम्मीद 70क दशक में मिथिला पुत्र पंडित ललित नारयण मिश्र जगउने छलाह. ओ रेलमंत्री क रूप मे कोसी पर पुल बनेबाक प्रस्ताव केने छलाह, मुदा हुनक आकस्मिक निधन स सपना सपने रही गेल. हुनक निधनक लगभग 20 सालक बाद तत्कालीन रेलमंत्री नीतीश कुमार हुनक प्रस्ताव के मूर्त रूप प्रदान केलथि. लगभग 23 किमी लंबा कोसी पर महासेतुक निमार्ण केल जा रहल अछि. एहि सेतुक निर्माण स मिथिला एकबेर फेर अपन पुरान स्वरूप मे आबि जैत. एहि पारक लोकक ओहि पारक लोक स संपर्क सुगम भ जाइत. नव संबंध बनत. आ सबसे पैघ गप इ जे सांस्कृतिक आओर भाषागत रूप स जे हमरा लोकनि मे दूरी आबि गेल अछि ओ समाप्त भ जाइत. आशा करबाक चाहि जे रेल आओर सड़क संपर्क स मिथिला के जोड़बाक इ भगिरथि प्रयास अगिला दू साल मे पूरा भ जे. कियेक जे नेपाल मे शांति स्थापति भेलाक बाद मिथिला मे विकासक एकटा नव बाट खुलत आआ. ेर संयुक्त मिथिला नव नेपालक निर्माण मे सेहो अपन महत्वपूर्ण भूमिका निभाउत.

खट्टर काका कहलनि

काकाक रेडियो बंद अछि. बिनु समाचार सुनने काका कहियो नहि रहैत छलाह, मुदा पिछला किछु दिन स काका अखबारो नहि छुबैत छथि. काका परेशान छथि अपन गाय आ भैंस के ल के. गोशाला के देखनिहार कियो नहि अछि. एकटा नौकर रखने रहैथि, मुदा ओकरा गाय आओर भैंस भगा देलक. पशु सबहक कहब छल जे ओ काज त निक करैत अछि, मुदा ओकरा पशुक भाषा नहि अबैत अछि. पशु सेना नबका नियम तैयार करि लेलक अछि जे गोशाला में नौकरी केनिहार लेल पशुक भाषा बुझब आवश्यक अछि. पशुसेनाक कहब अछि जे पशु भाषा जननिहार के अलावा केकरो इ नौकरी नहि भेटत. ओ कहैत अछि जे बिना पशुक भाषा जानने पशुक सेवा नाटक अछि. काका पशु सेनाक इ फरमान स परेशान छैथि. गाम–टोल पर कियो एहन नहि अछि जेकरा पशुक भाषा अबैत अछि. जे काकाक मुह स इ शर्त सुनैत अछि ओर काका के मुह ताकय लागैत अछि. मुदा काका की करताह, पिछला अनुभव हुनका कोनो फैसला लेबा रोकी दैत अछि. एकटा बच्चा /न/जेना–तेना तकने रहैत जेकरा किदु पशु भाषाक ज्ञान रहैय. मुदा एक दिन ओ अपन गामक लोक स गोशाला में मातृभाषा में गप करि लेलक. ओकर इ दुस्साहस भैंस स बरदाश्त नहि भेल. रातिक बेला मे ओकरा पर एकटा बोतल फेंक देलक. पशुक उग्रता देखि ओ बच्चा राता–राति जयपुर भागि गेल. काका आब केनो खतरा मोल नहि लिये चाहैत छैथि. हुनक स्पष्ट कहब अछि जे आब ओहने लाक के गोशाला में नौकरी भेटत जेकरा पशुक भाषा आबैत हुए. काकाक इ फरमानक पुरा गाम मे विरोध भ रहल अछि. मुखिया जीक दलान पर एकर चर्चा रहल. गामक लोकक दबाव पर मुखिया जी काकास गप करबा लेल तैयार भेला. मुदा काका केकरो संग एहि मुद्दा पर गप करबा लेल तैयार नहि छैथि. ओ अपन गप पर अटल छैथि. गाम मे बरोजगारक कमी नहि अछि. गोशाला में नौकरीक एहन शर्त कियो नहि सुनने छल. मुखिया जी एकरा कानून आओर समाजक खिलाफ मानैत छथि. पंडित काका त एहि फरमानक शिकायत दारोगा जी स सेहो केलैथि अछि. जे सुनैत अछि, से निंदा करैत अछि, मुदा काका सब निंदा के दर किनार करि एकटा गप पर अटल छैथि. मुखिया जीक आग्रह आओर दारोगाजीक धमकी काका पर बेअसर रहल. काकाक हठ के देखी गामक पंचायत बजाउल गेल. काकाक पर आरोप लगेबाक साहस मात्र पंडित काका मे छल ओ पंचक आगू काकाक फरमानक जमिके विरोध कैलथि. पंचक निर्णय भेल जे काका के पशुक संग गाम स निकालि देल जाय. काका पंचायतक फैसला के स्वीकार करैत कहला जे हमर मनक गप केवल राज ठाकरे बुझि सकैत छैथि. हम मुंबई जाइत छी.

स्वदेस प्रेम स बदलल तसवीर

दक्षिण भारतक विकासक एकटा मुख्य कारण उत्तर भारतक मुकाबले हुनका सब मे देश प्रेम स बेसी स्वदेस प्रेम अछि. अपन स्वदेस प्रेमक कारण ओ मरुभूमि के मरुउद्यान मे बदलि दैत छथि, हुनक कोनो नेता आइ धरि देशक नेता बनबा लेल अपन राज्य के दरकिनार नहि केलक अछि. दक्षिण भारतीय अपन मुख्य निवेश अपन देस मे करैत रहल अछि. एकरे उदाहरण अछि जे केरल सन छोट राज्य मे केरल स बहर रहनिहारक निवेश स इ बुझब कठिन अछि जे शहर सीमा कतय खतम भेल आओर गाम कतय स आरंभ भ गेल.

श्री चौधरी आइआइटी चेन्नई मे प्राध्यापक छथि.

हिंदीक अपेक्षा गैर हिंदीभाषी राज्यक विकासक कारण बता रहल छथि श्रीश चौधरी

गैर हिंदी राज्य विशेषकर दक्षिण भारतक राज्य आइ उत्तर भारतक मुकाबले बेसी विकसित अछि. एकर अनेक कारण अछि. मुदा ओहि कारण मे स सबसे प्रमुख कारण ओहि राज्यक नेता लोकनिक देश प्रेम स बेसी स्वदेस प्रेम रहल अछि. दक्षिण भारतक नेता अपन क्षेत्र के कहनो नहि बिसरैत छथि.

मैसूर के वीआरवी राव केंद्र सरकार मे बहुत दिन तक मंत्री छलाह. ओ अपन प्रभावक उपयोग करि बेंगलुरु मे अनेक उद्योगक स्थाना करेबा मे सफल रहलाह. पीवी नरसिंहराव सेहो केंद्र मे शिक्षा मंत्रीक रूप मे अपन देस के एकटा केंद्रीय विवि देलथि. एतबे नहि जखन दिल्ली मे इग्नू खुलल त पहिल कुलपति आंध्रप्रदेशक बनाउल गेल. आइ असगर हैदराबाद मे 20 टा स बेसी शोध संस्थान चलि रहल अछि. एहने हाल उद्योगक सेहो अछि. त्रिवेंदम मे भगोलिक स्थिति स बेसी पत्नी प्रमक कारणे विक्रम साराभाई थुंबा मे अंतरिक्ष शोध केंद्र खोललाह. आन क्षेत्र के सेहो कमोबेश एहने हाल अछि. रामानाथन कृष्णण चेन्नई मे टेनिस अकादमी खोललथि. विजय अमृतराज सेहो ओतहि अकादमी चला रहल छथि. एमआरएफ सेहो चेन्नई मे अपन क्रिकेट अकादमी चला रहल अछि. रुकमणि देवी त कलाक्षेत्रक नाम स एकटा विवि तक खोली लेलथि. बेजंतीमाला आ श्रीदेवी अपन नृत्य केंद्र सेहो अपन देस मे चला रहल छथि. प्रकाश पादुकोन सेहो अपन बेडमिंटन अकादमी बेंगलुरु मे चला रहल छथि.

निजी क्षेत्र मे निवेश ओहने ठाम होइत अछि, जतय सरकारी निवेश होइत रहल अछि. एहन मे देखल जाय त प्राकृतिक संसाधनक कमीक बावजूद दक्षिण भारत मे उत्तर भारतक मुकाबले बेसी सरकारी निवेश भेल अछि.

पिछला 15 साल मे वर्तमान वित्तमंत्री चिदंबरम आओर अन्य नेताक प्रयास स असगर चेन्नई मे 500 मिलियन डॉलरक निवेश भेल अछि. पैघ–पैघ कंपनी के देश में संयंत्र लगेबाक लाइसेंस देबा स पहिने अनधिकृत रूप स इ शर्त राखल जाइत अछि जे प्रस्तावित संयंत्र हमर राज्य मे लगाउल जाय. बेंगलुरु के आइटी हब बनेबा मे रामकृष्ण हेगड़े के योगदान महत्वपूर्ण रहल. योजना आयोगक सदस्यक रूप मे ओ अपन राज्यक विकास लेल काफी किछु केलथि. ओना ओ बाद मे योजना आयोगक उपाध्यक्ष आओर राज्यक मुख्यमंत्री सेहो भेलाह. हेगड़े जे भूमिका मे रहलाह, हुनकर दिल मे हरदम बेंगलुरु बसल रहल. तहिना भाजपाक सहयोगी बनि चंद्राबाबू आंध्रप्रदेशक विकास लेल अनेक काज केलथि.

सबसे महत्वपूर्ण गप इ जे केरल सन छोट राज्य मे काफी पलायन अछि. मुदा केरल के लोक खाड़ी स काफी टाका अपन राज्य मे पठा रहल अछि. केरल मे आइ दू–दूटा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अछि. केरल मे शहर आओर गामक बीच दूरी खतम भ चुकल अछि.

साभार : प्रभात खबर

मिस मिथिला : मिथिलाक एकटा कॉलेज में लीजर क्लासक दौरान विद्यार्थी.

सभागाछी की छी

मधुबनी जिलाक सौराठ गाम मे करीब 500 साल स एकटा सम्मेलन आयोजित होइत आयल अछि. अइ सम्मेलन के सौराठ सभा कहल जाइत अछि. समाजशास्त्रीक अनुसार इ प्रवासी मैथिलक सम्मेलन छल, जाहि मे व्यापार आओर अन्य मामलाक निराकरण केल जाइत छल. सम्मेलन मे मैथिल समाजक काफी भागीदारी हेबाक कारण एहि सम्मेलनक दौरान कथा–वार्ता अर्थात विवाह संबंधि चर्चा सेहो होइत छल. कलांतर मे व्यापारिक व सामाजिक चर्चा खतम भ गेल आओर इ सम्मेलन विवाह स्थिर करबा लेल हुए लागल. पांच लाख मैथिल क भागीदारी वाला इ सम्मेलन हजार आ फेर सैकड़ा मे पहुंच गेल. अपन उद्देश्य स भटकल इ सम्मेलन आइ दुनिया भरि मे 'दुल्हा बाजार' नाम स कुख्यात अछि. आशा करैत छी, सभा गाछी मे फेर मिथिलाक विकास पर चिंतन होइत.

गोनू झाक सलाह

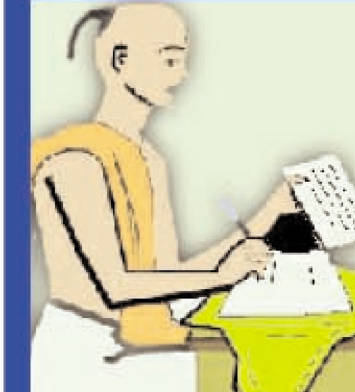

गोनूक झाक अट्टारहम पीढ़ी मधुबनी जिलाक हाटी गाम मे बसैत अछि. इ सलाह हुनक एकटा वंशज स लेल गेल अछि.

प्र : गोनू बाबू लालू प्रसाद एहि बेर बजट मे की करताह ?

गोनू : बिहार मे रेलवे क नफा आआ. ेर मुंबई मे घाटाक आंकड़ा देता

प्र : गोनू बाबू हमर गाम मे बिजली कहिया आउत

गोनू : खानदान में ताकू किया विद. ेश जा के बसल अछि.

प्र : गोनू बाबू राज ठाकरे सन नेताक की इलाज

गोनू : बिहार मे नीतीश, लालू आआ. ेर पासवान सन किछु और नेता जनमाउ. ओकरा गोनू झाक खिस्सा सुनाउ

प्र : रामगुलामक बिहार यात्रा स की फायदा भेल

गोनू : भीखमंगा जेका टाका क बाट तकैत लोक लेल किछु नहि, मुदा बिहार के बहुत किछु भेटल.

प्र : गोनू बाबू दू टा आओर नेता के उम्रकैद भ गेल

गोनू : कतार एखनो पैघ अछि. जदयूवाला नेता सब त बाकी छथि.

प्र : गोनू बाबू हम व्यवसाय करय चाहैत छी, की करी ?

गोनू : बिहार छोड़ि पूरा देश में नेतागीरी करि सकैत छी, बिहार मे किछु दिन नेतागीरीक व्यवसाय बंद अछि.

प्र : गोनू बाबू चीनी मील कहिया खुलत

गोनू : नीतिश मिश्र अपन बाप जगन्नाथ मिश्रक डेरा छोडि अपन घर मे आबि गेलथि अछि. आशा करू संस्कार सेहो बदलत.

प्र : गोनू बाबू बिहारक विकास के करत

गोनू : महादेव, भोलेनाथ, नीतीश...

प्र : गोनू बाबू कहांक कोनो इच्छा

गोनू : लालू प्रसाद बिहारक सबटा टिसनक नाम मैथिली मे लिखबउत.

प्र : गोनू बाबू कलाम कहैत छथि जे बिहारी के सपना देखब जरूरी अछि.

गोनू : कलाम साहेब पहिने सुतबाक व्यवस्था त करि दथि. एखन नींदक पते नहि ओ सपनाक गप करैत छथि.

प्र : नेपालक राजाक की होयत

गोनू : जे सब राजाक भेल.

कोहबर की थिक

कोहबर, दरअसल एकटा कोर्स अछि, जे विवाहक उपरांत नव दंपती लेल आवश्यक मानल जाइत अछि. इ कोर्स चारि दिनक होइत अछि आओर इ एकटा कमरा मे आयोजित केल जाइत अछि. आहि कमरा के विभिन्न प्रकारक चित्र स सजाउल जाइत अछि. एहि चित्र समूह के मिथिला चित्रकला मे कोहबर घरक चित्र कहल जाइत अछि. कोहबर विधिक दौरान चारि दिन तक वर आआ. ेर बधू एकटा कमरा मे रहैत छथि आआ. ेर हुनका विभिन्न प्रकार स वैयवाहिक जीवनक झंझवात आ विवाहक उद्देश्य स परिचित कराउल जाइत अछि.

मिथिलाक संस्कृति मे मानल जाइत अछि जे विवाह स पूर्व वर आ वधू के विवाह संबंधी कोनो ज्ञान नहि होइत अछि. एहन मे कोहबर विधि स ओकरा विवाह के उपरांत होइवाला समस्त समस्या आ जिम्मेदारी क व्यवहा. रिक ज्ञात देल जाइत अछि.

इ एकटा अध्याय के समाप्त होयब थीक

"लालू प्रसाद अपन राजनीतिक जीवन में पहिल बेर कहलथि जे आरक्षण स किछु होइवाला नहि अछि. पिछड़ल समाजक विकास लेल शिक्षा एक मात्र हथियार अछि. लालू मानैत छथि जे शिक्षित समाजक बिना विकासक कल्पना बेकार अछि."

कुमार अनिल

पिछला किछु दिन पहिने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद अपन राजनीतिक जीवन में पहिल बेर कहलथि जे आरक्षण स किछु होइवाला नहि अछि. पिछड़ल समाजक विकास लेल शिक्षा एक मात्र हथियार अछि. लालू मानैत छैथि जे शिक्षित समाजक बिना विकासक कल्पना बेकार अछि. श्री प्रसाद अपन इ विचार अनेको सभा मे राखि रहल छथि. दरअसल लालूक इ बयान एकटा अध्याय क खत्म होएबाक प्रमाण अछि. जानकार कहैत छथि जे इ समाजिक न्याय के केंद्र मे राखि के केल जा रहल राजनीतिक अंत थिक. लालू क इ बयान एकटा नव अध्याय लिखबाक एलान थीक.. इ एक प्रकार स युगक संग प्रतियोगिता मे बिहार के चलेबाक शुरुआत छी. ओना एहि मे लालू जीक कोनो योगदान नहि अछि. लालू सामाजिक न्याय के न शुरुआत केनिहार छथि आओर न ओकरा राजनीतिक केंद्र बनेबा मे हुनक कोनो भूमिका रहल अछि.

सच कहल जे त सामाजिक न्याय के लेल संर्घषक शुरुआत त्रिवेणी संघक जमाना से भेल, जे बाद मे लोहियाक नेतृत्व म आगू बढल. एकरा किछु वामपंथि सेहो अपन तरीका स आगू बढेबाक प्रयास केलथि. ओना एहि दौर मे इ धारा राजनीतिक केंद्र मे स्थापित नहि भ सकल. कहल जा सकैत अछि जे एहि दौर मे सबसे पैघ कमी रहल जे शिक्षा के हथियार बनेबाक गंभीर प्रयास नहि भेल. सब आरक्षण के मुद्दा बनबैत रहला. इ एक प्रकार स जरूरी छल, मुदा नेतृत्व आरक्षण के विकास स जोड़बा मे नाकामयाब रहल. राजनीतिक नेतृत्व आरक्षण के रामवाण क रूप मे उपयोग करैत रहला. आरक्षण के हर बीमारीक ईलाज बुझबाक गलती करैत रहला.

एहन मे जे दौर आजादीक 60 सालक बाद शुरु भेल अछि, ओकरा 50क दशक मे शुरु भ जेबाक चाही. अगर एहन भेल हाइते त बिहारक तसवीर किछु और होइते. निश्चित रूप स ओ आइ के बिहार स अगल आओर सुंदर होइते.

सामजवादी, वामपंथी आओर नक्सलवादी विचारधारा से जे फसल रोपल गेल छल, लालू ओक. रे कटलथि. लालू अनकरे रोपल फसलके काटी के 15 साल तक बिहार पर राज कैलथि. मुदा लालू एहि 15 साल मे पिछड़ल समाजक विकासक लेल कोनो ठोस नीति बनेबा मे विफल रहलथि. लालू के सत्ता स हटबाक एकटा मुख्य कारण इहो रहल. सत्ता पहिल पांच साल त लालू हसैत–हसाबैत काटी लेलथि, मुदा ओकर बाद हुनका पर समाजक विकास लेल दबाव बनय लागल. समता पार्टीक जन्म एकरे एकटा उदाहरण छी. बाद मे लालूक एमवाइ समीकरण सेहो विकास के आगू लालू के दरकिनार करबा लेल मजबूर भ गेल.

बिहार के बदलैत इच्छा के नीतीश कुमार समय पर पकडी लेलाह. ओना हुनका एहि लेल नौ साल तक संघर्ष करय पड़लनहि. नीतीश सत्ता मे आबि पहिल काज शिक्षा के सुधारबाक प्रयास केलथि. स्वास्थ्य क्षेत्र मे सेहो समुचित ध्यान देलथि. प्राथमिक शिक्षा स ल के उच्च शिक्षा तक बिहार मे चौपट छल. पिछला दू साल मे नीतीश कुमारक सरकार एकरा ठीक करबा मे लागल अछि. प्राथमिक शिक्षाक लेल जतय एक लाख स बेसी शिक्षकक नियुक्ति केल गेल अछि आओर एक लाख और शिक्षकक नियुक्ति केल जा रहल अछि, ओतहि नालंदा विवि के पुनर्जाग्रित करि के उच्च शिक्षाक दशा सुधारबाक लेल मीलक पाथर कहल जा सकैत अछि. विरोधी दल के नेता सेहो इ मानैत छैथि जे शिक्षा आओर स्वास्थ्यक क्षेत्र में परिवर्तन देखल जा रहल अछि. पहिने के तुलना मे सरकारी स्कूल मे आब बेसी बच्चा उपस्थित होइत अछि. स्वास्थ्यकेंद्र पर सेहो लोकक भीड़ देखल जा रहल अछि. सच पूछि त बिहारक जनता सरकारी स्कूल आओर सरकारी अस्पतालक बाट बिसरी गेल छल.

बुनियादी शिक्षाक संग–संग नीतीश सरकार मेडिकल आओर इंजीनियरिंगक पढ़ाई के लेल राज्य मे पुरान कालेज के पुनर्जिवित करबाक प्रयास मे अछि, जखन की किछु नव कालेज सेहो खोलल जा रहल अछि. ओना एहि क्षेत्र मे ठोस परिणाम एखन सामने नहि आयल अछि. नालंदा विविक शुरुआत भ चुकल अछि. पूर्व राष्ट्रपति कलाम के विविक विजिटर बना नीतीश एकटा नीक काज केलथि. एहि स विविक लेल अंतराष्ट्रीय सहायता भेटवा मे सुवितगर होयत.

समाद

पटना, 15 फरवरी 2008

मिथिला एखनो पाछु

2008क आर्थिक सर्वेक्षण में उत्तर से आगू अछि दक्षिण

झारखंडक बंटबाराक बाद मिथिला राजक मांग जोर धेने अछि. कारण साफ अछि. पिछड़ल क्षेत्र के आधार पर जखन राज्यक गठन भेल त मिथिला अपन हक केना नहि लेत. आजाद भारत मे जखन भाषाक आधार पर राज्यक गठन भेल, तखन मैथिली आ भोजपुरी के बोली कहल गेल, मैथिली त बाद मे भाषाक दर्जा पाउल, मुदा भोजपुरी एखनो बोली अछि. ऐहन मे एक बेर फेर आर्थिक रूप स पिछड़ल मिथिला के अगल राज्य बनेबाक मजबूत आधार तैयार अछि. बिहार के ताजा आर्थिक सर्वेक अनुसार राज्य मे विकासक गाड़ी अपन गति धरि रहल अछि. सकल घरेलू उत्पाद मे 16 फीसदीक बढ़ोतरी दर्ज केल गेल अछि, ज्ञात हुए कि सात साल पहिने बिहारक जीडीपी पाछु दिस विदा भ गेल छल. ताजा सर्वेक अनुसार आजादीक बाद बिहार सबसे नीक आर्थिक मजबूतीक दिस जा रहल अछि. ओना राज्य मे चाउर, गहूम आओर मकई क उत्पादन मे कमी आइल अछि. आद्री द्वारा तैयार केल गेल इ रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे दक्षिण बिहारक जिला उत्तर बिहारक जिलाक अपेक्षा काफी नीक स्थिति मे अछि. पटना जिलाक सकल घरेलू उत्पाद सर्वाधिक 31441 टाका अछि, जखन की अररिया, सीतामढ़ी आ शिवहर जिलाक जीडीपी क्रमशः 4578,4352 आ 3636 टाका अछि. पेट्रोलियमक खपतक मामला मे सहो दक्षिण बिहार आगू अछि. राज्य मे प्रति व्यक्ति न्यूनतम बचन पटना मे 675 टाका अछि, जखन कि अररिया मे सबसे कम 51 टाका अछि. अपराधक मामले मे पूरा बिहारक छवि बदललक अछि. अपहरणक मामले मे 77 फीसदीक कमी आयल अछि, जखन की पहिने स 18 फीसदी कम हत्याक मामला दर्ज भेल अछि. रिपोर्ट में बाढ़ राहतक विशेष उल्लेख अछि. राहतक रूप मे पिछला साल स पांच गुना बेसी अनाजक आवंटन कैल गेल. तहीना राज्य मे निबंधित वाहनक संख्या मे उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज भेल अछि. पिछला एक साल मे कुल 67 हजार नव वाहन राज्य मे निबंधित भेल अछि. मोबाइल कनेक्शन मे 20 फीसदी व इंटरनेट कनेक्शन मे दो फीसदीक बढ़ोतरी भेल अछि. रिपोर्ट मे विशेष रूप स शिक्षा आ स्वास्थ्यक क्षेत्र मे खर्चक अंतर के उल्लेखित कैल गेल अछि. जिला स्तर पर इ अंतर चौंका दैत अछि. पटना जिला मे शिक्षा आ स्वास्थ्य पर प्रतिव्यक्ति सार्वजनिक खर्च 4177 टाका भेल अछि, जखन कि मुंगेर जिला मे मात्र 357 टाका खर्च भेल अछि. कुल मिला के देखल जाय त नीतीश सरकार पटना जिला पर विशेष रूप स ध्यान द रहल अछि. बिहारक कैपिटल पटनाक लेल वित्तमंत्री श्री मोदी पर कैपटलिस्ट हेबाक आरोप लगाउल जा रहल अछि. दरभंगा मे प्रस्तावित आइआइटी के श्री मोदी पटना अनबा लेल देखार भ के प्रयास केलथि. शहरीकरणक मामला मे सेहो दक्षिण बिहार आगू अछि. नालंदा आ गयाक अनुरूप वैशालीक विकास पर्यटनक हिसाब स नहि भ रहल अछि. निवेशक मामला सेहो उत्तर बिहार लेल उत्साह नहि जगा रहल अछि. पुरान बंद मील के बेचबाक फैसला छोड़ि राज्य सरकारक दिस स कोनो पैघ योजना मिथिला के नहि भेट रहल अछि. एतबा अवश्य जे लालू आ पासवान उत्तर बिहार के बहुत किछु द के संतुलन बनेबाक प्रयास मे छथि.

बिहारक बदलैत राजनीतिक सोच

एहनो होयत बिहार मे, केकरा छल आशा

बिहारक इतिहास मे पहिल बेर भेल जे सबटा दलक नेता मुख्यमंत्रीक नेतृत्व मे केंद्र सरकार लग बिहारक हक मंगबा लेल गेल. हंगामाक इंतजार मे बैसल मीडिया के विरोधी दलक नेताक मुंह स मुख्यमंत्रीक नेतृत्व स्वीकार करबाक बयान किछु काल लेल अचंभित करि देलक.

कहल जाइत अछि जखन दिन बदलैत अछि त सब किछु बदलैत अछि. बिहारक संग किछु एहने भ रहल अछि. पिछला दू–तीन साल मे बिहारक संस्कार बदलि गेल अछि. बिहारक नेता स ल के आम नागरिक तक अपन सोच मे परिवर्तन अनबाक लेल प्रयास करि रहल छथि. बिहारक राजनी. ति पिछला 60 साल मे सबसे व्यवहारिक स्तर पर अछि. बिहारक नेताक दिमाग मे इ गप बसि चुकल अछि, जे क्षेत्रक विकास धरना–प्रदर्शन स नहि होइत. ओ गंभीर रूप स एकर निराकरणक लेल एकजुट भ रहल छथि. ओना इ एखन शुरुआती दौर मे अछि, मुदा दौरक शुरुआत त भ चुकल अछि. ओना बिहार स केंद्र मे हरदम दबदबा वाला मंत्री रहलथि, मुदा एखन सन समीकरण पहिने नहि बनी सकल. लालू प्रसाद अपन दलक मंत्रीक संग बिहार मे अनेक योजना अनबाक प्रयास मे छथि. रामविलास पासवान सेहो बिहार मे अधिक–अधिक ध्यान देबा लेल प्रयासरत छथि. इ दूनू नेताक योजनाक लेल राज्य मे आधारमूत संरचना तैयार करबा लेल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी–जान लगउने छथि.

बिहारक इतिहास मे पहिल बेर भेल जे सबटा दलक नेता मुख्यमंत्रीक नेतृत्व मे केंद्र सरकार लग बिहारक हक मंगबा लेल गेल. हंगामाक इंतजार मे बैसल मीडिया के विरोधी दलक नेताक मुह स मुख्यमंत्रीक नेतृत्व स्वीकार करबाक बयान किछु काल लेल अचंभित करि देलक. ई कोनो ठोस परिणाम देबाक एकटा शुरुआत मात्र थिक. आगू बिहारक सब दलक सांसदक संग मुख्यमंत्रीक बैठक होयत. बिहारक विकासक सवाल पर सब दल जखन एकमत भ गेल त विकासक बाट रोकनिहार के रहल.

बिहार मे खबरक नाम पर एना कहिया तक चलत

किछु लोकक करतूत स दबा गेल नालंदाक पुनर्जागरण

बिहार मे पिछड़पनक कोनो एकटा कारण नहि अछि. सच कहू त एकरा लेल बिहार स प्रका. शित अखबार कम जिम्मेदार नहि अछि. बिहारक अखबार आओर कोनो विकसित राज्सक अखबार के देखला पर अंतर साफ नजर अबैत अछि. बिहार मे नेता, अधिकारी आओर स्थानीय विद्वानक संग–संग अखबारो अपन दायित्व मात्र नकारात्मक सोच स पूरा करैत रहल. समस्या के उठेबाक संगहि ओकर निदानक लेल बाट तकबाक काज कहियो बिहारक अखबार नहि केलक. एकरा एकटा कारण इ भ सकैत अछि जे बिहार मे सबटा अखबार बाहरी अछि आओर संपादको कमोबेश बाहरी बनैत रहल अछि. आर्यावर्त आओर इंडियन नेशनक बंद भेलाक बाद एक तरहे बिहार के अपन अखबार नहि रहल. जेकर प्रभाव बिहारक विकास पर देखल जा सकैत अछि. बिहार मे होइ वाला कोनो सकारात्क काज के एतुका अखबार या टीवी चैनल ओना नहि प्रस्तुत करैत अछि, जेना आन प्रदेशक अखबार करैत अछि.

नकारात्मकताक सीमा होइत अछि, मुदा बिहारक मीडिया ओहि सीमा के पार करि चुकल अछि. एकर प्रभाव इ पड़ल अछि जे पूरा समाज निराश भ चुकल अछि. आशाक डोर दूर–दूर तक नहि देखा रहल अछि. एकर दू टा उदाहरण प्रस्तुत अछि. पहिल नालंदाक घटना. पूरा मीडिया नालंदा मे नीतीश कुमार पर हमला के मुख्य खबर बनउलक. जखन की नीतीश मे थाल आ किछु ढेपा फेकल गेल छल. जाहि मे किछु उपद्रवि युवक शामिल छल. ओकर लक्ष्य केवल समाचार बनेबाक छल. एहि छोट सन घटनाक आगू नालंदा विविक पूनर्जागरण सन एतिहासिक क्षण मीडियाक नजरि स उतरि गेल. बिहार स बाहर त मुख्य कार्यकमक चर्च तक नहि केल गेल. सामान्य रूप स आन प्रदेश मे एहन घटनाक भेला पर मुख्य कार्यकमक बाक्स बनाउल जाइत अछि, मुदा बिहारक मीडिया एकरा ठीक उलटा छपैत आ देखबैत अछि. दोसर उदाहरण सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलक अछि. बिहार मे पहिल बेर एहन माहौल बनल. मुदा बिहारक अखबार आ चैनल एकरा एकटा सामान्य घटना मानलक. आखिर बिहारक अच्छाई केकरा नहि पचि रहल अछि. आब इ तय करय पड़त.

अंक–2, साल–1, रजिस्ट्रेशन– आवेदित, स्नेह–छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट के लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : ममता ठाकुर, नेट समदिया : कुमुद सिंह (खबरक चयनक लेल जिम्मेदार).